कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 298 कानपुर, बुधवार 23 अप्रैल 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

विश्व पृथ्वी दिवस पर सीएसए के कुलपति ने दिया प्रेरक संदेश

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर संदेश जारी कर कहा है कि 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को पृथ्वी के महत्व को समझाना, पर्यावरण को बचाना और उसे बेहतर बनाने के प्रति जागरूक करना है।कुलपति ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर लाखों लोग मिलकर प्रदूषण और उसके खतरा पहुंचाने वाली चीजे वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं।उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2025 की थीम है अवर प्लेनेट अवर अर्थ इस थीम के माध्यम से यह लक्ष्य निर्धारित करना है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की मात्रा को तीन गुणा करना है जिसमें भूतपीय,जल विद्युत, ज्वारीय, पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि पृथ्वी प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से एक

सुंदर ग्रह है। यहां हरे-भरे जंगल, मनमोहन झरने शांत और पहाड़ के साथ विस्तृत रेगिस्तान भी है।इसको संजोकर रखने हेतु प्रतिक्षण प्रयास करते रहना अति आवश्यक हो गया है। कुलपति ने अपने संदेश में कहा की स्वर्णिम भविष्य की कल्पना तभी वास्तविक रूप लेगी जब हम पृथ्वी का सही तरीके से ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर रहने वाले हर जीव प्राणी का दायित्व है कि हम पर्यावरण को सदैव स्वच्छ रखें ताकि आने वाली पीढ़ियां एक बेहतर जीवन यापन कर सकें। उन्होंने कहा कि मानव अपनी छोटी-छोटी पहल से ही बड़ा बदलाव कर सकता है जो की धरती को बचाने में एक मुख्य योगदान के रूप में उभर कर आएगा।

The Pioneer

Paper with passion since 1865

LUCKNOW, WEDNESDAY APRIL 23, 2025; PAGES 12 ₹3

16/1957 I Late City Vol.161 Issue 109 I *Air Surcharge Extra if Applicable

ELHI LUCKNOW BHOPAL BHUBANESWAR RANCHI RAIPUR CHANDIGARH DEHRADUN HYDERA

Importance of Earth Day highlighted

PIONEER NEWS SERVICE ■ Kanpur

Vice-Chancellor of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T), Prof Anand Kumar Singh, said that April 22 was celebrated worldwide as World Earth Day to promote awareness about the importance of our planet and the need to protect and improve the environment.

In his message emphasising the importance of this global observance, Dr Singh highlighted that the main objective of observing this day was to make the general public aware of the value of Earth, to protect the environment and to strive towards making it better. He said on this day, millions of people across the globe come together to discuss pressing environmental issues such as pollution, deforestation and ecological degradation.

The V-C said the theme for World Earth Day 2025 is "Our Planet, Our Earth." This theme sets the goal of tripling global renewable energy production by the year 2030, with a special focus on clean energy sources such as geothermal, hydroelectric, tidal, wind and solar energy. He added that Earth is a planet of unparalleled natural beauty with lush green forests, mesmerising waterfalls, serene mountains and vast deserts. Preserving these natural wonders is now more essential than ever.

The V-C said, "the vision of a golden future can only be realised if we take proper care of our planet. It is the responsibility of every living being on Earth to keep the environment clean and safe, ensuring that future generations can enjoy a better quality of life. Even small, positive initiatives by individuals can lead to significant changes, contributing greatly to the protection and preservation of our planet".

अमर भारती
एक उम्मीद
...त, 06 संस्करण
...: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 23 अप्रैल 2025 शक सम्वत् 1947, वैशाख

हर हाल में पर्यावरण को होगा बचानाः कुलपति

संदेश

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर संदेश जारी कर कहा है कि 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को पृथ्वी के महत्व को समझाना, पर्यावरण को बचाना और उसे बेहतर बनाने के प्रति जागरूक करना है।कुलपति ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर लाखों लोग मिलकर प्रदूषण और उसके खतरा पहुंचाने वाली चीजे वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं।उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2025 की थीम है ÷अवर प्लेनेट अवर अर्थ÷ इस थीम के माध्यम से यह लक्ष्य निर्धारित करना है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की मात्रा को

तीन गुणा करना है जिसमें भूतपीय,जल विद्युत, ज्वारीय, पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि पृथ्वी प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से एक सुंदर ग्रह है। यहां हरे-भरे जंगल, मनमोहन झरने शांत और पहाड़ के साथ विस्तृत रेगिस्तान भी है।इसको संजोकर रखने हेतु प्रतिक्षण प्रयास करते रहना अति आवश्यक हो गया है। कुलपति ने अपने संदेश में कहा की स्वर्णिम भविष्य की कल्पना तभी वास्तविक रूप लेगी जब हम पृथ्वी का सही तरीके से ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर रहने वाले हर जीव प्राणी का दायित्व है कि हम पर्यावरण को सदैव स्वच्छ रखें ताकि आने

विश्व पृथ्वी दिवस पर सीएसए कुलपति का संदेश

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर संदेश जारी कर कहा है कि 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को पृथ्वी के महत्व को समझाना, पर्यावरण को बचाना और उसे बेहतर बनाने के प्रति जागरूक करना है।कुलपति ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर लाखों लोग मिलकर प्रदूषण और उसके खतरा पहुंचाने वाली चीजे वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं।उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2025 की थीम है "अवर प्लेनेट अवर अर्थ" इस थीम के माध्यम से यह लक्ष्य निर्धारित करना है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की मात्रा को तीन गुणा करना है जिसमें भूतपीय,जल विद्युत, ज्वारीय, पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोतों पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि पृथ्वी प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से एक सुंदर ग्रह है। यहां हरे-भरे जंगल, मनमोहन झरने शांत और पहाड़ के साथ विस्तृत रेगिस्तान भी है।इसको संजोकर रखने हेतु प्रतिक्षण प्रयास करते रहना अति आवश्यक हो गया है। कुलपति ने अपने संदेश में कहा की स्वर्णिम भविष्य की कल्पना तभी वास्तविक रूप लेगी जब हम पृथ्वी का सही तरीके से ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर रहने वाले हर जीव प्राणी का दायित्व है कि हम पर्यावरण को सदैव स्वच्छ रखें ताकि आने वाली पीढियां एक बेहतर जीवन यापन कर सकें। उन्होंने कहा कि मानव अपनी छोटी-छोटी पहल से ही बड़ा बदलाव कर सकता है जो की धरती को बचाने में एक मुख्य योगदान के रूप में उभर कर आएगा।

दैनिक
आज का कानपुर

कानपुर मण्डल/आस/पास

न लिया, दोलन

सरकार को संबोधित ज्ञापन
धिकारी के प्रतिनिधि को सौंप
अपनी बात प्रशासन के सामने
धरना प्रदर्शन के पश्चात
मी 27 अप्रैल को लखनऊ में
व्यापी आंदोलन के अगली
ा की जाएगी कार्यक्रम में
न गुलाबिया, राकेश बाबू पांडे,
न्द अवस्थी, प्रभात मिश्रा,
ज सिंह गौर, अशोक कुमार
, आरपी श्रीवास्तव एडवोकेट,
हास सिंह चौहान, कुमारी दीपा
कर एडवोकेट, रविंद्र कुमार
, उमेश सिंह, सुभाष भाटिया,
निगम मौजूद रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर सीएसए कुलपति का संदेश

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर संदेश जारी कर कहा है कि 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को पृथ्वी के महत्व को समझाना, पर्यावरण को बचाना और उसे बेहतर बनाने के प्रति जागरूक करना है कुलपति ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर लाखों लोग मिलकर प्रदूषण और उसके खतरा पहुंचाने वाली चीजे वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2025 की थीम है ÷अवर प्लेनेट अवर अर्थ÷ इस थीम के माध्यम से यह लक्ष्य निर्धारित करना है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की मात्रा को तीन गुणा करना है जिसमें भूतपीय,जल विद्युत, ज्वारीय, पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर विशेष जोर दिया जाएगा उन्होंने कहा

है कि पृथ्वी प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से एक सुंदर ग्रह है। यहां हरे-भरे जंगल, मनमोहन झरने शांत और पहाड़ के साथ विस्तृत रेगिस्तान भी है इसको संजोकर रखने हेतु प्रतिक्षण प्रयास करते रहना अति आवश्यक हो गया है कुलपति ने अपने संदेश में कहा की स्वर्णिम भविष्य की कल्पना तभी वास्तविक रूप लेगी जब हम पृथ्वी का सही तरीके से ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर रहने वाले हर जीव प्राणी का दायित्व है कि हम पर्यावरण को सदैव स्वच्छ रखें ताकि आने वाली पीढियां एक बेहतर जीवन यापन कर सकें उन्होंने कहा कि मानव अपनी छोटी-छोटी पहल से ही बड़ा बदलाव कर सकता है जो की धरती को बचाने में एक मुख्य योगदान के रूप में उभर कर आएगा।

वर्ष-18 अंक-174 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 23 अप्रैल 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया से प्रसारित

RNI No.- UPHIN/2007/27090

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

विश्व पृथ्वी दिवस पर सीएसए कुलपति का संदेश

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर संदेश जारी कर कहा है कि 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को पृथ्वी के महत्व को समझाना, पर्यावरण को बचाना और उसे बेहतर बनाने के प्रति जागरूक करना है। कुलपति ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस पर लाखों लोग मिलकर प्रदूषण और उसके खतरा पहुंचाने वाली चीजे वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं।उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2025 की थीम है अवर प्लेनेट अवर अर्थ इस थीम के माध्यम से यह लक्ष्य निर्धारित करना है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की मात्रा को तीन गुणा करना है जिसमें भूतपीय,जल विद्युत, ज्वारीय, पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि पृथ्वी प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से एक सुंदर ग्रह है। यहां हरे-भरे जंगल, मनमोहन झरने शांत और पहाड़ के साथ विस्तृत

रेगिस्तान भी है इसको संजोकर रखने हेतु प्रतिक्षण प्रयास करते रहना अति आवश्यक हो गया है। कुलपति ने अपने संदेश में कहा की स्वर्णिम भविष्य की कल्पना तभी वास्तविक रूप लेगी जब हम पृथ्वी का सही तरीके से ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर रहने वाले हर जीव प्राणी का दायित्व है कि हम पर्यावरण को सदैव स्वच्छ रखें ताकि आने वाली पीढियां एक बेहतर जीवन यापन कर सकें। उन्होंने कहा कि मानव अपनी छोटी-छोटी पहल से ही बड़ा बदलाव कर सकता है जो की धरती को बचाने में एक मुख्य योगदान के रूप में उभर कर आएगा।